|| Shree Ganeshaya Namaha ||

Sample PDF Reports

kundaliveda.com

Your Astrology Partner

Kundali Veda

AstroSage

जैमिनी पद्धति: कारकांश और स्वांश कुण्डली

कारकांश चक्र

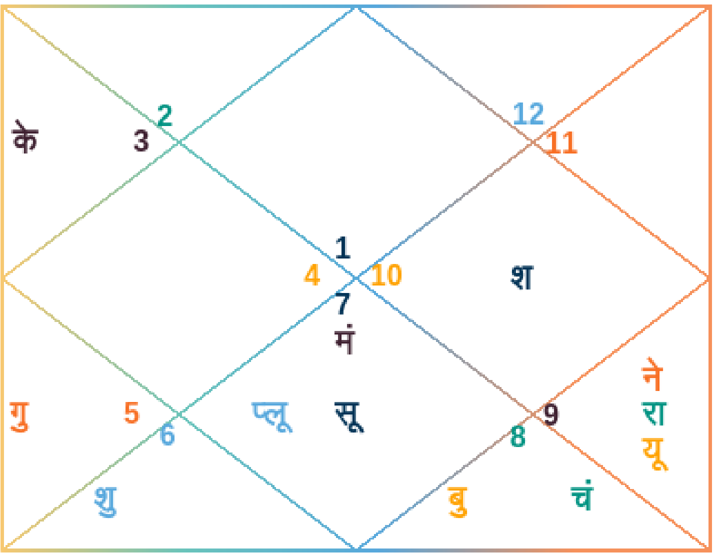

स्वांश चक्र

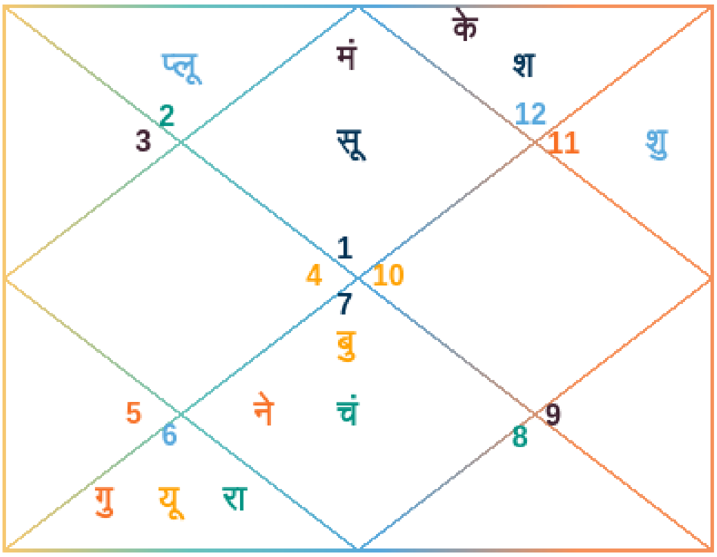

कारक

कारक	स्थिर	चर
आत्म	सूर्य	मंगल
आमात्य	बुध	सूर्य
भ्रातृ	मंगल	गुरू
मातृ	चंद्र	चंद्र
पितृ	गुरू	बुध
ज्ञाति	शनि	शनि
दारा	शुक्र	शुक्र

अवस्था

ग्रह	जागृत	बलादि	दीप्तादि
सूर्य	सुसुप्त	वृद्ध	मुदित
चंद्र	स्वप्न	युवा	शान्त
मंगल	सुसुप्त	वृद्ध	स्वत
बुध	स्वप्न	वृद्ध	मुदित
गुरु	स्वप्न	युवा	दीन
शुक्र	सुसुप्त	मृत	मुदित
शनि	सुसुप्त	वृद्ध	शान्त

आरूढ़ कुंडली

आरूढ़ कुंडली अथवा अरुधा लग्न कुंडली ज्योतिष के क्षेत्र में काफी महत्वपूर्ण स्थान रखती है। महर्षि पराशर ने जहां इस को महत्व दिया है, वहीं जैमिनी पद्धति का प्रयोग करने वाले ज्योतिषी भी अरुधा लग्न कुंडली का प्रयोग बहुत ही सटीक फलादेश करने के लिए करते हैं। आरूढ़ लग्न कुंडली भी हमारे लिए उतनी ही महत्वपूर्ण है, जितनी की जन्म लग्न कुंडली, क्योंकि जहां लग्न कुंडली से हमारे शरीर और हमारे व्यक्तित्व के बारे में जानकारी मिलती है और पता चलता है कि वास्तव में हम क्या हैं, वहीं आरूढ़ लग्न कुंडली बताती है कि समाज के सामने हम क्या हैं। अर्थात समाज में हमारा क्या अस्तित्व है, क्या छवि है और समाज के लोग हमें किस रूप से देखते हैं। यही वजह है कि आरूढ़ लग्न कुंडली का प्रयोग किया जाता है और जिस प्रकार लग्न कुंडली में ग्रहों के अनुसार फल कथन किया जाता है, उसी प्रकार आरूढ़ लग्न कुंडली में भी यह कार्य किया जाता है।

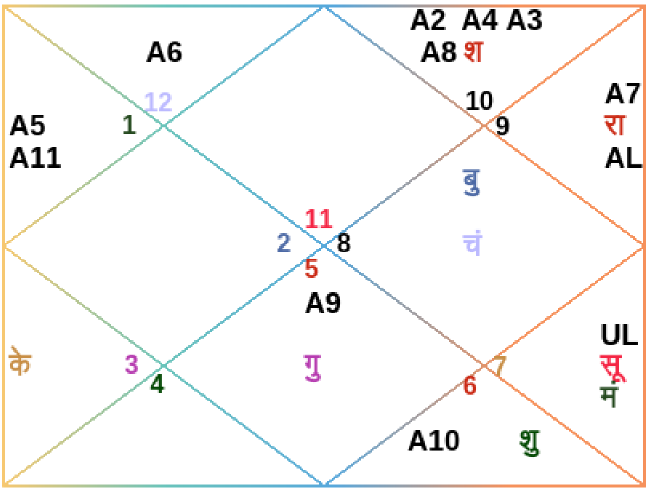

नोट

1. हम अरुधा पद गणना के लिए राहु और केतु की शक्ति पर विचार नहीं कर रहे हैं।
2. हम अरुधा पद की गणना के लिये अपवादों का उपयोग कर रहे हैं।

AstroSage

चरदशा

नोट:- दी गयी तारीखें दशाओं की अन्त तारीख को दर्शाती हैं।

कुंभ	02 वर्ष	8/11/91 - 8/11/93	वृष	04 वर्ष	8/11/06 - 8/11/10
मीन	07 वर्ष	8/11/93 - 8/11/00	मिथुन	05 वर्ष	8/11/10 - 8/11/15
मेष	06 वर्ष	8/11/00 - 8/11/06	कर्क	08 वर्ष	8/11/15 - 8/11/23
सिंह	10 वर्ष	8/11/23 - 8/11/33	वृश्चिक	11 वर्ष	8/11/54 - 8/11/65
कन्या	10 वर्ष	8/11/33 - 8/11/43	धनु	08 वर्ष	8/11/65 - 8/11/73
तुला	11 वर्ष	8/11/43 - 8/11/54	मकर	12 वर्ष	8/11/73 - 8/11/85

कुंभ 2 वर्ष	मीन 7 वर्ष	मेष 6 वर्ष
मीन 8/11/91 - 8/ 1/92	मेष 8/11/93 - 8/ 6/94	वृष 8/11/00 - 8/ 5/01
मेष 8/ 1/92 - 8/ 3/92	वृष 8/ 6/94 - 8/ 1/95	मिथुन 8/ 5/01 - 8/11/01
वृष 8/ 3/92 - 8/ 5/92	मिथुन 8/ 1/95 - 8/ 8/95	कर्क 8/11/01 - 8/ 5/02
मिथुन 8/ 5/92 - 8/ 7/92	कर्क 8/ 8/95 - 8/ 3/96	सिंह 8/ 5/02 - 8/11/02
कर्क 8/ 7/92 - 8/ 9/92	सिंह 8/ 3/96 - 8/10/96	कन्या 8/11/02 - 8/ 5/03
सिंह 8/ 9/92 - 8/11/92	कन्या 8/10/96 - 8/ 5/97	तुला 8/ 5/03 - 8/11/03
कन्या 8/11/92 - 8/ 1/93	तुला 8/ 5/97 - 8/12/97	वृश्चिक 8/11/03 - 8/ 5/04
तुला 8/ 1/93 - 8/ 3/93	वृश्चिक 8/12/97 - 8/ 7/98	धनु 8/ 5/04 - 8/11/04
वृश्चिक 8/ 3/93 - 8/ 5/93	धनु 8/ 7/98 - 8/ 2/99	मकर 8/11/04 - 8/ 5/05
धनु 8/ 5/93 - 8/ 7/93	मकर 8/ 2/99 - 8/ 9/99	कुंभ 8/ 5/05 - 8/11/05
मकर 8/ 7/93 - 8/ 9/93	कुंभ 8/ 9/99 - 8/ 4/00	मीन 8/11/05 - 8/ 5/06
कुंभ 8/ 9/93 - 8/11/93	मीन 8/ 4/00 - 8/11/00	मेष 8/ 5/06 - 8/11/06

वृष 4 वर्ष
मेष 8/11/06 - 8/ 3/07
मीन 8/ 3/07 - 8/ 7/07
कुंभ 8/ 7/07 - 8/11/07
मकर 8/11/07 - 8/ 3/08
धनु 8/ 3/08 - 8/ 7/08
वृश्चिक 8/ 7/08 - 8/11/08
तुला 8/11/08 - 8/ 3/09
कन्या 8/ 3/09 - 8/ 7/09
सिंह 8/ 7/09 - 8/11/09
कर्क 8/11/09 - 8/ 3/10
मिथुन 8/ 3/10 - 8/ 7/10
वृष 8/ 7/10 - 8/11/10

मिथुन 5 वर्ष
वृष 8/11/10 - 8/ 4/11
मेष 8/ 4/11 - 8/ 9/11
मीन 8/ 9/11 - 8/ 2/12
कुंभ 8/ 2/12 - 8/ 7/12
मकर 8/ 7/12 - 8/12/12
धनु 8/12/12 - 8/ 5/13
वृश्चिक 8/ 5/13 - 8/10/13
तुला 8/10/13 - 8/ 3/14
कन्या 8/ 3/14 - 8/ 8/14
सिंह 8/ 8/14 - 8/ 1/15
कर्क 8/ 1/15 - 8/ 6/15
मिथुन 8/ 6/15 - 8/11/15

कर्क 8 वर्ष
मिथुन 8/11/15 - 8/ 7/16
वृष 8/ 7/16 - 8/ 3/17
मेष 8/ 3/17 - 8/11/17
मीन 8/11/17 - 8/ 7/18
कुंभ 8/ 7/18 - 8/ 3/19
मकर 8/ 3/19 - 8/11/19
धनु 8/11/19 - 8/ 7/20
वृश्चिक 8/ 7/20 - 8/ 3/21
तुला 8/ 3/21 - 8/11/21
कन्या 8/11/21 - 8/ 7/22
सिंह 8/ 7/22 - 8/ 3/23
कर्क 8/ 3/23 - 8/11/23

सिंह 10 वर्ष
कन्या 8/11/23 - 8/ 9/24
तुला 8/ 9/24 - 8/ 7/25
वृश्चिक 8/ 7/25 - 8/ 5/26
धनु 8/ 5/26 - 8/ 3/27
मकर 8/ 3/27 - 8/ 1/28
कुंभ 8/ 1/28 - 8/11/28
मीन 8/11/28 - 8/ 9/29
मेष 8/ 9/29 - 8/ 7/30
वृष 8/ 7/30 - 8/ 5/31
मिथुन 8/ 5/31 - 8/ 3/32
कर्क 8/ 3/32 - 8/ 1/33
सिंह 8/ 1/33 - 8/11/33

कन्या 10 वर्ष
तुला 8/11/33 - 8/ 9/34
वृश्चिक 8/ 9/34 - 8/ 7/35
धनु 8/ 7/35 - 8/ 5/36
मकर 8/ 5/36 - 8/ 3/37
कुंभ 8/ 3/37 - 8/ 1/38
मीन 8/ 1/38 - 8/11/38
मेष 8/11/38 - 8/ 9/39
वृष 8/ 9/39 - 8/ 7/40
मिथुन 8/ 7/40 - 8/ 5/41
कर्क 8/ 5/41 - 8/ 3/42
सिंह 8/ 3/42 - 8/ 1/43
कन्या 8/ 1/43 - 8/11/43

तुला 11 वर्ष
वृश्चिक 8/11/43 - 8/10/44
धनु 8/10/44 - 8/ 9/45
मकर 8/ 9/45 - 8/ 8/46
कुंभ 8/ 8/46 - 8/ 7/47
मीन 8/ 7/47 - 8/ 6/48
मेष 8/ 6/48 - 8/ 5/49
वृष 8/ 5/49 - 8/ 4/50
मिथुन 8/ 4/50 - 8/ 3/51
कर्क 8/ 3/51 - 8/ 2/52
सिंह 8/ 2/52 - 8/ 1/53
कन्या 8/ 1/53 - 8/12/53
तुला 8/12/53 - 8/11/54

वृश्चिक 11 वर्ष
तुला 8/11/54 - 8/10/55
कन्या 8/10/55 - 8/ 9/56
सिंह 8/ 9/56 - 8/ 8/57
कर्क 8/ 8/57 - 8/ 7/58
मिथुन 8/ 7/58 - 8/ 6/59
वृष 8/ 6/59 - 8/ 5/60
मेष 8/ 5/60 - 8/ 4/61
मीन 8/ 4/61 - 8/ 3/62
कुंभ 8/ 3/62 - 8/ 2/63
मकर 8/ 2/63 - 8/ 1/64
धनु 8/ 1/64 - 8/12/64
वृश्चिक 8/12/64 - 8/11/65

धनु 8 वर्ष
वृश्चिक 8/11/65 - 8/ 7/66
तुला 8/ 7/66 - 8/ 3/67
कन्या 8/ 3/67 - 8/11/67
सिंह 8/11/67 - 8/ 7/68
कर्क 8/ 7/68 - 8/ 3/69
मिथुन 8/ 3/69 - 8/11/69
वृष 8/11/69 - 8/ 7/70
मेष 8/ 7/70 - 8/ 3/71
मीन 8/ 3/71 - 8/11/71
कुंभ 8/11/71 - 8/ 7/72
मकर 8/ 7/72 - 8/ 3/73
धनु 8/ 3/73 - 8/11/73

मकर 12 वर्ष
धनु 8/11/73 - 8/11/74
वृश्चिक 8/11/74 - 8/11/75
तुला 8/11/75 - 8/11/76
कन्या 8/11/76 - 8/11/77
सिंह 8/11/77 - 8/11/78
कर्क 8/11/78 - 8/11/79
मिथुन 8/11/79 - 8/11/80
वृष 8/11/80 - 8/11/81
मेष 8/11/81 - 8/11/82
मीन 8/11/82 - 8/11/83
कुंभ 8/11/83 - 8/11/84
मकर 8/11/84 - 8/11/85

जैमिनी चर दशा फल

वैदिक ज्योतिष की भांति ही जैमिनी ज्योतिष पद्धति फल कथन करने में काफी सटीक साबित होती है। जहाँ विंशोत्तरी दशा ग्रहों की दशा होती है, वहीं जैमिनी चर दशा राशियों की दशा होती है। मेष से लेकर मीन राशि तक कुल 12 राशियाँ होती हैं, इसलिए जैमिनी चर दशा भी 12 राशियों की दशा होती है।

सभी राशियों का अपना एक स्वभाव होता है और उसी के आधार पर वें अपना फल प्रदान करती हैं।

मेष राशि जैमिनी चर दशा

इस दशा के दौरान आपके घर अनेक प्रकार के अतिथि आएँगे और घर में हर्षोल्लास का वातावरण रहेगा तथा बच्चों का शोर-शराबा भी हो सकता है। आप काफी महत्वाकांक्षी बनेंगे और आपके स्वभाव में थोड़ी आक्रामकता की वृद्धि होगी। महत्वाकांक्षा पूरी करने के लिए आप प्रयास करेंगे लेकिन आक्रामकता को नियंत्रण में रखने की कोशिश करें। इस दशा के दौरान आपको किसी जानवर से क्षति पहुंच सकती है, विशेषकर चूहा, बिल्ली, कुत्ता आदि से सावधान रहना चाहिए। जल्दबाजी में काम करने की आदत से बचें।

वृषभ राशि जैमिनी चर दशा

इस राशि की दशा में आपके परिवार में खुशहाली आएगी और आपको धन लाभ होने की प्रबल संभावना बनेगी। यदि आपने पहले से ही विचार किया हुआ है, तो इस दौरान कोई वाहन भी खरीद सकते हैं। इस दशा अवधि में आप काफी सुख का अनुभव करेंगे। हालांकि वाहन सावधानी पूर्वक चलाएँ, क्योंकि किसी वाहन अथवा चौपाये जानवर द्वारा हल्की-फुल्की दुर्घटना होने की भी संभावना बन सकती है।

मिथुन राशि जैमिनी चर दशा

इस राशि की दशा में आपकी सोच में वृद्धि होगी और आप सही दिशा में सोच पाएंगे। इसका लाभ आपको जीवन के विभिन्न क्षेत्रों में मिलेगा। यदि आप कोई पढ़ाई कर रहे हैं, तो आपकी शिक्षा में सफलता मिलेगी और यदि आप व्यापार कर रहे हैं, तो उसमें भी इस अवधि में तरक्की मिल सकती है। हालांकि आपका स्वास्थ्य इस दौरान कमजोर हो सकता है। विशेष रूप से कोई त्वचा संबंधित परेशानी, एलर्जी या नस एवं नाड़ियों से संबंधित रोग हो सकता है, जिसके प्रति सावधानी बरतना हो सके।

कर्क राशि जैमिनी चर दशा

यह दशा आपके लिए काफी उन्नति दायक रहने वाली है। इस दौरान आपको बहुमूल्य रत्नों से संबंधित

व्यवसाय या कोई भी ऐसा व्यवसाय जिसमें विदेशी व्यापार होता हो, आप को जबरदस्त सफलता मिल सकती है। इस दौरान आपको जल संबंधित बीमारियों, जैसे कि पीलिया, हैजा, आदि से बचना चाहिए और गहरे पानी में स्नान करने से सावधान रहना चाहिए। इस दौरान आप काफी भावुक होंगे और अपने परिवार के बारे में काफी सोचेंगे, इसलिए घरेलू कार्यों में आपकी व्यस्तता बढ़ेगी।

सिंह राशि जैमिनी चर दशा

इस राशि की दशा अवधि में आपको अपने अंदर आध्यात्मिकता की वृद्धि देखने को मिलेगी और आपका रुझान धार्मिक कार्यों में अधिक होगा। आप किसी पहाड़ी प्रदेश या जंगल आदि में भ्रमण करने जा सकते हैं, लेकिन इस दौरान अधिक ऊँचे स्थानों पर जाने से बचना चाहिए, क्योंकि वहां से गिरकर दुर्घटना की संभावना बन सकती है। इसके अतिरिक्त अपने कार्य क्षेत्र में भी ध्यान दें, क्योंकि आपकी पदावनति हो सकती है। इसके विपरीत यदि आप अच्छा कार्य करते हैं, तो पदोन्नति भी प्राप्त हो सकती है। किसी जानवर जैसे कुत्ते आदि के द्वारा काटने अथवा दुर्घटना की आशंका हो सकती है।

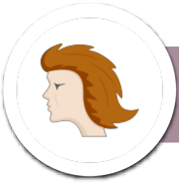

कन्या राशि जैमिनी चर दशा

इस राशि की दशा में आपको शिक्षा में अनुकूल परिणाम मिलेंगे और आप काफी अच्छा प्रदर्शन कर पाएंगे। यदि आप कोई व्यापार करते हैं, तो उसमें काफी अच्छा लाभ मिलेगा और इस दौरान आपके व्यापार का विस्तार हो सकता है। आपकी तर्क क्षमता में वृद्धि होगी। वहीं दूसरी ओर अग्नि से संबंधित कोई दुर्घटना अथवा त्वचा संबंधित रोग जैसे खुजली, एलर्जी, दाद, आदि होने की संभावना रहेगी।

तुला राशि जैमिनी चर दशा

इस राशि की दशा में आपको सभी प्रकार के अच्छे परिणाम प्राप्त हो सकते हैं। आपके जीवन में सुख और समृद्धि आएगी तथा आप प्रसिद्ध प्राप्त बनेंगे। लोगों के मन में आपके प्रति आकर्षण बढ़ेगा। आपकी सोच में सकारात्मकता आएगी और शुभ कार्यों में आपका मन लगेगा। इसके अतिरिक्त आपको विभिन्न प्रकार के सुख, चाहे वाहन सुख हो, अथवा भवन सुख, प्राप्त हो सकता है। जीवन में प्रेम की वृद्धि होगी।

वृश्चिक राशि जैमिनी चर दशा

यह दशा आपके जीवन में महत्वपूर्ण परिवर्तन लेकर आ सकती है। यदि आप कोई शोध कार्य करते हैं या फिर कोई गूढ़ अध्ययन करते हैं, अथवा आध्यात्मिक रूप से ध्यान आदि करते हैं, तो आपको काफी बेहतरीन परिणाम मिल सकते हैं। हालांकि आपकी सेहत के लिए दशा अच्छी नहीं होगी। विशेषकर दवाइयों के साइड इफेक्ट से अथवा फूड पॉइजनिंग के कारण आपको कष्ट हो सकता है। इसके अतिरिक्त किसी इंजेक्शन से इन्फेक्शन होने का खतरा रह सकता है अथवा किसी जलीय जीव के द्वारा क्षति पहुँचाई जा

सकती है।

धनु राशि जैमिनी चर दशा

इस दशा के दौरान जीवन में काफी उतार-चढ़ाव आ सकते हैं, क्योंकि काफी रहस्यमयी दशा है। इस दशा अवधि में आपको काफी हद तक उन्नति और उच्च पद की प्राप्ति हो सकती है, लेकिन अचानक से स्वास्थ्य संबंधी कष्ट हो सकते हैं या फिर कोई दुर्घटना हो सकती है। आपको किसी ऊँचे स्थान से गिरने या फिर कुछ गलत कार्य के कारण पद की क्षति पहुंच सकती है। इस दौरान आपको अपने शत्रुओं के प्रति सावधान रहना चाहिए, क्योंकि में आप को नुकसान पहुंचाने का प्रयास कर सकते हैं।

मकर राशि जैमिनी चर दशा

यह दशा आपके जीवन में बदलाव का कारण बन सकती है। बदलाव चाहे छोटे हों अथवा बड़े, आपके जीवन पर अच्छा खासा प्रभाव डालेंगे। इस दौरान आप अपने निवास स्थान में बदलाव कर सकते हैं या अपने नौकरी के स्थान में। इसके अतिरिक्त इस दशा अवधि में जीवन संबंधित बड़े बदलाव जैसे कि विवाह होना अथवा संतान होना या फिर स्वास्थ्य अत्यधिक खराब होना संभव हो सकता है, इसलिए थोड़ा सावधानी बरतें।

कुम्भ राशि जैमिनी चर दशा

इस दशा के दौरान आप आगे बढ़कर काफी दान, पुण्य, धार्मिक कार्य करेंगे तथा समाज के हित में परोपकार के कार्य करेंगे, जिससे आपके मान और सम्मान में वृद्धि होगी। लोग आपसे अपने कार्यों के लिए सलाह लेने आएँगे अथवा कोई ज़रूरतमंद आपसे सहायता मांगने आ सकता है और आप उनकी सहायता भी करेंगे। इससे समाज में आपकी कीर्ति बढ़ेगी। आपको लोगों द्वारा सराहना प्राप्त होगी।

मीन राशि जैमिनी चर दशा

इस राशि की दशा में आप काफी भावुक होंगे और भावुकता में आकर कुछ गलत निर्णय भी ले सकते हैं, इसलिए कोई भी निर्णय लेने से पहले किसी को वरिष्ठ व्यक्ति से सलाह लेना बेहतर रहेगा। हालांकि आपको जीवन में इस दशा के दौरान काफी महत्वपूर्ण अनुभव प्राप्त होंगे, जो भविष्य में आपके काम आएँगे। केवल इतना ही नहीं, आप गहन अध्यात्म के क्षेत्र में भी अच्छा प्रदर्शन कर पाएंगे। यह दशा जीवन को आध्यात्मिक तौर पर समृद्ध बनाने के लिए काफी महत्वपूर्ण है।

Kundali Veda

Thank You

Refer and Earn 20% Commission

For More Details Mail or Call us at +91-9693579531

Email - kundaliveda@gmail.com

www.kundaliveda.com